

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

प्रमाण-पत्र संख्या 3400000 व 3400000 के सम्बन्ध में
 आवेदन सं० 12/12/11
 श्री Smt. Shila Devi के द्वारा

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निर्वाचित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाये। (आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दे।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि एक संपत्ति को प्रमाणित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में वही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों में ता० 19/00/11 से ता० 12/12/11 तक तलासी की गयी और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला

चला है अतः

Smt. Shila Devi

क्र० सं०	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारीख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों का नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र० विदेश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	M. S. Harnichole							
	Plots - 225							
	Plots - 53							
	Plots - 5154							
	Thoron - 34							
	Ac. 12 acres							

Form No 87 (H)

S.N

RECEIPT FOR FEES DEPOSITED FOR SEARCH & COPY

Total fee of application

of application

of application

of application

of application

of application

of application

of application

9501

18.12.11

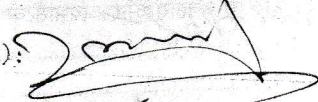
Smt. S. Devi

₹ 300/-

S

1. दस्तावेज के अनुसार दर्ज करें।
 2. बंधक-पत्र की दिशा व्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। बशर्ते की उनके बारे में उल्लेख हो।
 3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।
- यह प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संबंधधारों और अवधारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले किसी अन्य संबंध और अवधार का पता नहीं चला है।

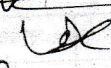
निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण-पत्र तैयार किया:

(हस्ताक्षर): 

(पदनाम): 

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जांच निम्न व्यक्ति ने की:

(हस्ताक्षर): 

(पदनाम): 

कार्यालय: 

तारीख: 18.12.18



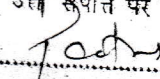
मुद्र एवं निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर

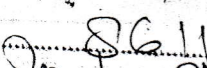
टिप्पणी:- इस प्रमाण-पत्र में जो संबंधधार और अवधार दिखाये गये हैं वे आवेदन द्वारा प्रस्तुत संपत्ति विवरण के अनुसार पाये गये हैं। या आवेदक के द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखाया गया हो तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संबंधधार (ग्रान्जेंकेशनस) इस प्रमाण-पत्र में शामिल न किये जायेंगे।

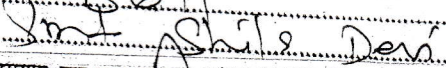
2. निबंधन अधिनियम की धारा-46 के अधीन जो व्यक्ति (वहियों) और अनुक्रमणियों (इन्डेन्स) की प्रवृत्तियाँ देखना चाहते हो अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हो जिन्हें निदिष्ट संपत्तियों के अवधारों के प्रमाण-पत्रों को जरूरत हो उन्हें तलासी स्वयं करनी होगी। विरहित फीस का भुगतान करने पर वहियों और अनुक्रमणियों उनके पास रखी जायेंगी।

(क) किन्तु चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेदार नहीं होगा।

(ख) और चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूंकि उसके बाद हुई गये संबंधधारों और अवधारों का सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र दे दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा हुई गये ऐसे संबंधधारों और अवधारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।


कार्यालय, जिला निबंधन 

लाप संख्या 

आवेदक श्री 

दिनांक 18.12.18

का ऋणधार प्रमाण-पत्र द्वारा 

का उनके पत्र संख्या 

दिनांक 7

के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।


निबंधन पदाधिकारी

18.12.18